[Shri Dipen Ghosh]

which was purported to have been written by him, and published in the 'Telegraph' was a fake letter. (*Interruptions*) That was yesterday's newspaper. Today's newspaper has carried Mr. V. P. Singh's statement. Mr. V. P. Singh has not only denied it but has stated that it was a forged letter. I do not know what makes them to shout. (*Interruptions*).

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: The smearing campaign is going to be counterproductive and boomerang on them. (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI: There must be an enquiry into this. (*Interruptions*)

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Madam, the House should condemn... (*Interrpuptions*)

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: What is to be condemned is their... (*Interruptions*) tactics. Do not indulge in such tactics. It will go against you in he long run. (*Interruptions*)

WELCOME TO SPEAKER OF HOUSE OF COMMONS

THE DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, I have an announcement to make.

We have with us this morning, seated in the Special Box, Rt. Hon'ble Bernard Weatherill, Speaker of the House of Commons of U. K., who is currently on a visit to our country.

On behalf of the Members of the House and on my own behalf I take pleasure in extending a very hearty welcome to him and wish our distinguished guest a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during his stay here, he will see more of our country and people. By his visit to this country, the friendly bonds that exist between us will be further strengthened. Through him, we convey our greetings and best wishes to the Members of the House of Commons and the friendly people of the United Kingdom.

SHRI MURASOLI MARAN (Tamil Nadu): Madam, let him also hear the sound of democracy.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I request Memebrs to show it by allowing the hon. Member to make his Special Mention.

SPECIAL MENTIONS—Contd

Hoisting of Pakistani Flag in Kashmir on Independence Day

श्री धर्मपाल (जम्मू और कश्मीर) : उपसभापति महोदया . . .

DR. BAPU KALDATE (Maharashtra): Madam, ask him to go to his seat and make a mention from there.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Kaldate, he took my permission.

DR. BAPU KALDATE: How can it be possible? This is something funny.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You sit down. You do not know the rules. You better read the rules. The Chair can ask anybody to sit anywhere.

SHRI DIPEN GHOSH (West Bengal): Except on your Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I can ask anybody to sit anywhere except on my Chair. (*Interruptions*). I have called him. You please sit down. I will call you. Let him finish.

श्री धर्मपाल : उपसभापति महोदया, मैं अपने विशेष उल्लेख के जरिए सदन का ध्यान काश्मीर वैली में पिछले दो दिनों में, 14–15 अगस्त में हुए वाकयात की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदया, 14 अगस्त के दिन पाकिस्तान की आजादी का दिन मनाया जा रहा था तो काश्मीर में भी जो सेसेशनिस्ट फोर्सेज या कम्यूनल फोर्सेज हैं, जैसे जम्

काश्मीर लिबरेशन फ्रंट, मजाहिदे आजादी, हिस्बे इस्लाम इन्होंने काल दी थी कि पाकिस्तान की आजादी के दिन को मनाया जाए । उस सिलसिले में कई जगहों में— श्रीनगर में, बारामूला में, अनन्त नाग में पाकिस्तानी झंडे लहराए गए और यह कहा गया कि 15 अगस्त का दिन जो हिन्दुस्तान की आजादी का दिन है, उसको ब्लैक डे के तौर पर मनाया जाए और हमने देखा कि अभी दो दिन पहले नेशनल कांफ्रेंस के एक नेता जो सुबाई सदर भी हैं, अब्दुल सलाम देव साहब, उनकी जीप में, जैसे ही वह उतरे, गम फटा, केवल एक दो सेकेंड का फर्क पड़ा नहीं तो वह हलाक हो जाते । मैंने बजट सेशन में तीन बार इस हाउस में कहा था कि यह स्ट्रेटजी पाकिस्तान की है और नेशनल कांफ्रेंस और सरकार के दो लीडरान हिट लिस्ट पर हैं यह मेरी एसेसमेंट थी, मैं कोई ज्योतिषी नहीं । इन वाकयात की तरफ मैंने बार-बार ध्यान दिलाया होम मिनिस्ट्री का और प्राइवेट तौर पर भी दिलाता रहा । असल बात यह है कि जनरल जिया उल हक जब जिन्दा थे तो उन्होंने एक प्लान बनाया था कि किस तरह से वह जम्मू काश्मीर पर कब्जा कर सकते हैं । उनका कहना था कि जो भी सरकार काश्मीर में होगी वह भारत की इमदाद से ही चल सकती है । इसलिए वहां कोई सरकार उलटी जा सकती है, न कोई वहां पर कामयाब हो सकता है । इसलिए टेरोरिस्टों को ट्रेन करके कश्मीर में भेजा जाए, वहां पर धमाका मचाया जाए और यह प्लान शायद होम मिनिस्ट्री को भी मालूम होगा ।

महोदया, यह भी कहा गया है कि वहां की रैलिक जो है उस मुकद्दस रैलिक को जो वहां कायम की गई है उसको गायब कर दिया जाए । लेकिन खुशी की बात है कि सरकार ने कोशिश करके उसको तलाश किया और वहां मजहबी जज्बात को भड़काने की कोशिश रह गई । इसी तरह से जिया उल हक से हमारे प्रधान मंत्री ने बात की, बेनजीर भुट्टो से भी बातचीत हुई, उनके साथ दूसरी बार भी बातचीत हुई । उनके इरादे नेक हैं, लेकिन बेनजीर भुट्टो को पूरा कमांड उनके हाथ में नहीं है । एक तरफ गुलाम हुसन खां साहब हैं और दूसरी तरफ मिर्जा बेग हैं जो चीफ आफ आर्मी स्टाफ हैं जो वही चीजें कर रहे हैं जो पहले करते थे और पंजाब में टरोरिस्टों को ट्रेन करके भेज रहे हैं । इसी तरह से काश्मीर में और भी फार्सेज ऐजेन्सीज इंवल्व हैं जिनके बारे में मैं बार बार कहता रहा । यह पहली बार नहीं है कि वहां पर 14 अगस्त को झन्डा लहराया गया । इससे पहले भी लहराए जाते रहे । पहले भी 15 अगस्त के दिन हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने वहां झन्डा लहराया, पिछले साल कुछ दिक्कत थी, लेकिन जिस तेजी से, जिस सिद्दत से ये वाकयात हो रहे हैं और पाकिस्तान का जो "जरबे मोमीन" जो कोड नाम है वे एक लाख फौज, 400 टैंक और एयर फोर्स और हेली-कोप्टर गनशिप चिनाब और यह चिनाब और सिंध के कोरीडर्स पर, दोनों दरियाओं के बीच से और जम्मू-काश्मीर की सरहद पर चिनाब सेक्टर में हो रहा है । खास तौर पर जम्मू-काश्मीर की सरहद को चुना गया है । लगता यह है कि पाकिस्तान के इरादे नेक नहीं हैं । मैं यह कहना चाहूंगा कि डिफेन्स मिनिस्ट्री और होम मिनिस्ट्री सतर्क और जैसे तीन साल पहले भारत ने जब एक्सरसाइज की थी तो पाकिस्तान की फौजें बार्डर पर आ गई थीं और हमारे हजारों और लाखों लोग जम्मू-काश्मीर के बार्डर से और राजस्थान के बार्डर से भाग गये थे, माइग्रेशन हुआ था, फसलों को नुकसान हुआ था, लेकिन लोगों को कुछ नहीं मिला । मैं यह भी कहना चाहूंगा कि एक तरफ तो ये एक्सरसाइजेज हो रही हैं और दूसरी तरफ जिआउल हक की प्लान थी कि वहां मुनाफर करें, बम लगायें, धमाके करें । ये वाकयात दो दिनों से हुए हैं । मैं कहना चाहूंगा कि होम मिनिस्ट्री, माफ करना, जितनी सतर्क पंजाब के मसले में नहीं है और मैंने कई बार कहा, यह काश्मीर का मसला उससे भी ज्यादा गम्भीर है, उतनी सतर्कता होम मिनिस्ट्री नहीं बरत रही है और यह भी कहने के बावजूद, हाउस में उठाने के बावजूद । हमें बताया गया कि कोई

[श्रीधर्म पाल]

एक्शन प्लान है । हमने तो देखा नहीं है कि एक्शन प्लान का कोई असर हुआ है, ये वाकयात बढ़ते जा रहे हैं । हमारी सरकार को पूरी मदद करनी चाहिए और पैरा मिलिटरी और इंटेलीजेन्स एजेन्सियों को सतर्क किया जाय ताकि हालात पर नजर रखी जा सके । मैं यह कहना चाहूंगा कि वहां पर हालात ठीक नहीं हैं और काश्मीर को भारत से तोड़ने की कोशिश हो रही है और इसमें फारन एजेंसीज भी इंवोल्व हैं । इन सब बातों को मद्देनजर रखते हुए कि काश्मीर की सिचुएशन बहुत गहरी है, इस पर नजर रखी जाय और वहां की सरकार की मदद की जाय । होम मनिस्ट्री अपनी एजेंसीज को सतर्क करे और वहां पर इंफिल्ट्रेटर्स का आना बंद किया जाय । वे वहां पर खुले आम दनदना रहे हैं, उनको पकड़ने की कोशिश की जाय और हालात पर कंट्रोल किया जाय ।

SHRI GHULAM RASOOL MATTO (Jammu and Kashmir): Madam, I associate myself...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just don't get up like that. I have a list of names which they gave for this Special Mention. Shri Upendra.

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): Madam, this is a very serious matter. It affects the unity and integrity of the country. It is not the first time that such a thing has happened. Even before, Pakistani flags were flown on various occasions in the Kashmir Valley, particularly in Srinagar and the law and order situation also is deteriorating day by day. There are bomb blasts, there are other incidents and it has affected the tourist traffic to Jammu and Kashmir also. I do not know what steps the Home Ministry is taking to prevent these incidents and to track down the anti-national elements there. I feel that there are some elements who are colluding with the anti-national forces. I cannot say for sure, but my information is that some Ministers in the Jammu and Kashmir Cabient—not belonging to the National Conference—are hand in glove with these elements. Therefore, this aspect also has to be taken note of and enquired into. I do not know why the Union Government is not showing the same concern as it shows when it comes to the situation in Assam, or Andhra Pradesh or West Bengal or any other State. I do not know why they are keeping quite in this matter. It requires a discussion and I demand that the Home Minister comes forward with a statement telling us what is really happening in Jammu and Kashmir.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Shri V. Narayanasamy.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, it is a matter of great concern for us that the anti-national...

श्री देब प्रसाद राय (पश्चिमी बंगाल) : महोदया, मेहमान चले गए हैं, अब वी० पी० सिंह के मामले पर बहस दुबारा कर ली जाय ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, we are discussing a very serious matter. Please sit down. No, no, that matter is not as important as the hoisting of the Pakistani flag.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Then let it be after this. It is next in importance. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down, Dr. Abrar Ahmed Khan. Nothing will go on record. I say we are having a serious discussion. Don't misbehave in the House. We have had enough of it.

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, it is a matter of great concern that anti-national, subversive and terrorist activities have been going on in Jammu and Kashmir. This is because communal forces are working there in defiance of rules and regulations. We have seen from newspaper reports that there have been a

series of bomb blasts there. Near a Junior College at a place called Borgan, 40 kilometres away from Srinagar, a bomb exploded and the compound wall there and the entire area there was damaged. In a second incident, at the residence of a National Conference worker at Bihana, 21 kilometres away from Srinagar, another bomb blast took place on the 13th of Aubust, 1989. Fundamentalist and communal forces declared 14th August, 1989 as the independence day of Pakistan. Pakistani flags were tied to lampposts and telephone polls and they celebrated the day with pomp and fanfare. On the other hand, terrorist elements declared August 15th as a black day. It is a matter of great shame that in spite of the steps taken by the Government, the terrorists could not be prevented from doing these things.

Madam, the Muslim United Front lent its support for the organization of these things, and my submission is that this Muslim United Front the party which declared 15th of August as a black day, should be banned. Apart from this, the police is not in a position to effectively control the terrorist activities. Kashmir has become a home town for the Pakistanis to enter inside India to create law and order problems there and to sneak back into Pakistan. Also, asylum is being given in Jammu and Kashmir to the terrorists. Due to such activities we find that in Jammu and Kashmir, law and order has become worse and, since it is a border area, the Home Minister and the Defence Minister have to see that law and order is maintained there with the help of the State Government. Since the State Government is not in a position to control the law and order problems there, terrorist activities are going on there like anything and therefore, I request the Home Minister and the Defence Minister to look into the matter and come out with a statement before this House about the situation prevailing in the State of Jammu and Kashmir.

Thank you, Madam.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, जम्मू और कश्मीर में जो अलगवादी ताकतें हैं वे एक बार फिर बहुत ताकतवर हो रही हैं । इस प्रकार की घटना 15 अगस्त के पूर्व इस वर्ष पहली बार नहीं हुई हैं । लगातार पिछले 15 वर्षों से अलगाववादी जो ताकतें हैं वे 15 अगस्त को काला दिवस मनाने का नारा देती हैं और वहां के सार्वजनिक स्थानों पर, टेलीफोन के खम्बों पर और साथ ही साथ बिजली के खम्बे हैं उन पर पोस्टर चिपकाये जाते हैं कि 15 अगस्त का दिन काला दिवस के रूप में मनाया जाय और पाकिस्तान का झंडा 14 अगस्त को फहराया जाता है । इस बार भी इस तरह की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी और 15 अगस्त को श्रीनगर में बम के धमाके हुए । इसमाचार पत्रों की खबरों के अनुसार करीब-करीब सौ लोग इसमें गम्भीर रूप से घायल हुए हैं । कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है यह बात हमेशा के लिए तय हो चुकी है । लेकिन आज अलगाववादी ताकत सर उठा रही हैं जिनकी कुचलने की जरूरत है । साथ ही साथ मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि कल प्रधान मंत्री जी ने लाल किले में जो अपना भाषण दिया.. (व्यवधान)

"In an attack on the Opposition, Prime Minister Mr. Rajiv Gandhi today accused some Opposition leaders....."

...(*Interruptions*)...

SHRI BHUBANESHWAR KALITA (Assam): Madam, he cannot read... (*Interruptions*)...

SHRI VISHVJIT P. SINGH (Maharashtra): That is about you, that is about you.

...(*Interruptions*)...

श्री सत्य प्रकाश मालवीय प्रधान मंत्री को ...(व्यवधान) ... अपने इस विभाग को साफ करना चाहिए कि

[श्री सत्य प्रकाश मालवीय]

देश में कौन अलगाववादी ताकतों को बढावा देते हैं । (**व्यवधान**) लालकिले पर खडे होकर इस तरह के आरोप लगाना इस देश की संसद के अंदर-.. (**व्यवधान**) ... कि अलगाववादी ताकतों से मिले हुए हैं, मैं समझता हूं कि प्राइम मिनिस्टर ने बगैर सोचे-समझे इस बात को कहा है । महोदया, मैं आपके माध्यम से अपील करना चाहता हूं कि प्राइम मिनिस्टर ... (**व्यवधान**) ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Malaviya, it is a very serious matter we are discussing in the House. Chairman gave the permission because some people raised the Pakistani flag. (*Interruptions*). Just a miunte. आप जरा एक मिनट बैठ जायेंगे (**व्यवधान**) आप सुनेंगे मेरी बात । पेपर में जो खबर आई है कि वहां काफी लोग मरे हैं । उसके लिए चैयरमैन साहब ने स्पेशल मेंशन परमिट किया और इस बात पर लोगों ने चर्चा उठाई । इसमें हाउस में कोई मतभेद नहीं है । कंट्री में कोई मतभेद नहीं होगा चैयर की तरफ से मैं यह बात कहना चाहती हूं कि यह बहुत गलत है, हमारे देश में ऐसे लोग हैं जो हमारे देश के फ्लैग को हमारे नेशनल डे पर उठाते हैं, आप उसी पर बात करिए । इसके इलावा बात मत करिए दूसरे मोके पर इसे उठा सकते हैं ।

Don't spoil the spirit of the special mention.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: I am speaking about the speech of the Prime Minister.

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): No Prime Minister would dare to tell like that, that Parliament Members are traitors.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This cannot be raised here.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): Madam, this is very serious.

अगर इस हाउस में ट्रेटर्स है (**व्यवधान**) हम को ट्रेटर्स के बारे में उतनी चिन्ता नही है जितनी इस हाउस में जो ट्रटर्स हैं उसके बारे में चिन्ता है (**व्यवधान**) इस हाउस में कौन ट्रेटर है ? (**व्यवधान**)

उपसभापति : यह चिन्ता आप किसी दूसरे मोके पर उठाइएगा । .. (**व्यवधान**) उसके लिए फोरम हैं, मगर आप इन दो चीजों को कम्बाइन नहीं कर सकते हैं (**व्यवधान**)

श्री यशवंत सिन्हा : महोदया, इस सदन के बारे में कहा गया है कि यहां पर ट्रेटर्स बैठे हैं । इस सदन में और ट्रेटर्स बैठे हैं तो हम क्या ट्रेटर्ज के साथ बैठे हैं (**व्यवधान**)

Are we sitting with traitors here? Who are those traitors? Let them be exposed. (*Interruptions*)

SHRI LAL K. ADVANI (Madhya Pradesh): You permit a discussion separately on this particular aspect.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You want a discussion on it. I will convey it to the Chairman. If he gives permission, I have no objection to discuss anything. But you cannot associate anything with the Kashmir incident. It is all very shameful. I think the whole House agrees with it. Let us not go on again and again repeating the same thing. (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: I would like to make a mention about what the Prime Minister said yesterday in his Independence Day speech from the ramparts of the Red Fort. The Prime Minister has said ....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have not permitted you. Please sit down. I have asked Mr. Subramanian Swamy to speak. (*Interruptions*)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Madam, yesterday was the 15th of August. In Columbo the Janata Vimukti Peramuna de-

monstrated its anti-Indian sentiments by holding a strike there. First of all, I want to make it clear that the Janata Vimukti Peramuna and the Janata Party have no connection. There should not be any doubts on that. But the fact is that the Sri Lankan Parliament has discussed the recent developments in the....

THE DEPUTY CHAIRMAN: We are still on Kashmir. We have not finished the Kashmir matter. You cannot reach Sri Lanka so fast. I will allow you to go to Sri Lanka after five, ten minutes.

SHRI GHULAM RASOOL MATTO: Madam Deputy Chairman I associate myself with the special mention made by my friend, Mr. Dharam Pal.

It is a fact that these demonstrations have been taking place previously also, for the last 40 years. But a new dimension has been added with throwing grenades and bomb-blasts. These obviously come only from across the border. The boys are being trained there and sent over here. I agree with what Mr. Dharam Pal has said.

I would request the hon. Home Minister that he should ensure that the border with Pakistan is completely sealed so that such infiltrations do not take places.

I must tell you that the NC-Congress Government that is in power at the moment is trying its best to control these people. But yesterday, according to the newspapers who are not definitely kind to us, we have had the biggest demonstration of the celebrations of 15th August in the Bakshi Stadium, where Abdullah and other Congress Ministers were there, despite the scare created by these anti-national elements by the bomb blast. This speaks of a new dimension. So, I would request the hon. Home Minister to seal the border with Pakistan so that this type of infiltration does not take place.

SHRI LAL K. ADVANI: Madam Deputy Chairman,....

SHRI V. GOPALSAMY: Everybody is being briefed by Mr. Mani Shankar Aiyar.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Don't make comments like this. It is not becoming of a senior member like you. Let us have some dignity.

SHRI V. GOPALSAMY: But what they do is wrong. (*Interruption*).

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Mr. Mani Shankar Aiyar is talking to MPs in the House... (*Interruptions*).

SHRI DIPEN GHOSH: Officials should assist the Ministers only. Now MPs are coming closer to the officials. (*Interruptions*). There is a question of dignity of the House. (*Interruptions*).

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): Your Members go to the Editors... (*Interruptions*)

SHRI DIPEN GHOSH: Officials are to help the Ministers. Now MPs are getting the assistance of officials.

कृषि मंत्री (श्री भजन लाल) : जानकारी लेनी होती है .. (व्यवधान) तो एम० पीज० या मिनिस्टर्स को वहां से जानकारी लेनी पडती है .. (व्यवधान) जो उन्होंने कहा वह आप कार्यवाही; से निकलवाइये .. (व्यवधान)

SHRI DIPEN GHOSH: There has to be some dignity of the House. The question is should MPs go there?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): It is shameful. (*Interruptions*).

SHRI N. E. BALARAM (Kerala): There has to be some decency in the House. (*Interruptions*).

SHRI V. NARAYANASAMY: Madam, you know their behaviour in the House. (*Interruptions*).

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF WATER RESOURCES AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Narayanasamy wanted to get an opportunity to speak on Panchayati Raj. He came and talked to me. Then Mr. Madan Bhatia also came asking for time to speak on Panchayati Raj. I said "include their names" That is all that happened.

SHRI YASHWANT SINHA: He could have waited to talk to you. (*Interruptions*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, let us go ahead with the business of the House.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am on a point of order. There is an official procedure. The official porcedure is a number of officials can be present in the Official Gallery to brief the Minister. That is the normal procedure and that is the normal convention. But the presence of somebody else in the Official Gallery under the name of advising the Members of Parliament tantamounts to breaking of Parliamentary procedures. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister has explained. I think you should take his words. There is no need not to believe him.

SHRI DIPEN GHOSH: We don't mind Ministers talking to officials, but we do mind ruling party members apenly going to the official's gallery and consulting the officials. Their talking to officials is not according to the procedure. The officials can be present in the meetings. (*Interruptions*)

SHRI SANTOSH MOHAN DEV: Madam, I have seen one Editor of a newspaper briefing all the Opposition Members in the Central Hall... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I gave my ruling....(*Interruptions*)....

SHRI RAOOF VALIULLAH (Gujarat): He has already made his point of order. She has already given the ruling. You have not listen to the Chair. Why don't you listen to the Chair?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, this is violation of Parliamentary convention. This tantamounts to...(*Interruptions*)...

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL (Punjab): You need not educate us on parliamentary procedure...(*Interruptions*)....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, hon. Members, I would request everybody....(*Interruptions*)...no. I won't allow you. No more.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam,....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't allow you..(*Interruptions*)... Please sit down. Don't have tempers. I understand that it is the last-but-one day for adjournment of the Parliament of the Parliament session and the tempers are high. Everybody wants to speak but kindly speak on the subject. The Minister of Parliamentary Affairs gave an explanation and I feel there should be no doubt as the Minister has said might be correct. Why don't you give the benefit of doubt to him and not waste the time of the House?

SHRI DIPEN GHOSH: What is the doubt? We have seen it with our own eyes.

SHRI V. GOPALSAMY: With our own eyes we have seen.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The matter is closed. Nobody is going to speak. Mr. Advani, I asked you to speak on the Kashmir issue.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: We want your ruling.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I gave my ruling. My ruling is that the Minister has already given his explanation... (*Interruptions*)...I am giving the ruling that the Members were talking... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I have seen it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cannot make a speech on a point of order. No, you sit down. Nothing will go on record. Whatever he has spoken, you remove it from the record. This is not the way. You keep on arguing with the Chair day in and day out. I will not allow like this. I have already said that the Minister gave the explanation. That is enough.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am not speaking. Can you remove my speech? How can you?... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing.

SHRI V. GOPALSAMY: Madam, how can you lose your temper? How can you remove his speech?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He raised a point of order. I did not allow him to make a speech. There is no place. There is no question, there is no reason to give a speech. He made his observations. I gave my ruling and that is all about it. You cannot question it ... (*Interruptions*) ..Sit downr both sides of the House and in the front also. Nobody should speak about it any more.

PROF. C. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): Madam, how can you remove his speech?... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Advani, you want to speak?

SHRI LAL K. ADVANI: I want to raise a point of order on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed.

SHRI LAL K. ADVANI: No, it is a point of order arising out of your last observation.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Advani, you are a very senior Member of this House... (*Interruptions*)... Listen to me. You have put in more years of experience than me in this House and you know that when the Chair gives the ruling, the matter is over. The Minister also gave an explanation. Why do you want to make a point of order?... (*Interruptions*)

SHRI LAL K. ADVANI: My point of order relates to your observations after the ruling. So far as ruling is concerned, you said that the House should accept the Minister's explanation. That matter is over. But subsequently you said whatever has been said by my colleague, Mr. Gurudas Das Gupta is off the record. You said that you were angry with him. On the basis of....

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Advani, I don't feel angry with him. I allowed him to make his point of order but after my ruling anybody who speaks will not go on record. You cannot challenge the ruling of the Chair. You know it very well. That is what I said. What he said in the beginning, I gave my ruling on it. If he keeps on speaking, it will not go on record and I will stick to it.. ...(*Interruptions*)...

SHRI LAL K. ADVANI: I am merely submitting that the Presiding Officer's right to expunge any remark has nothing to do with his displeasure with the Member.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No. I am sorry, Mr. Advani, if I were to expunge out of my displeasure, nothing will go on record, the way every-

[The Deputy Chairman]

body is making me angry. I am keeping myself very cool. There is a limit to it. ... (*Interruptions*) ... I said everybody. I did not say you. iWny are you getting up? Did I put the cap on yourself? I am not getting angry with you. I was telling him. I gave my ruling. The Minister gave his explanation. I mean on such trivial matter, people just waste the time of the House. The Minister gave his opinion. I gave my ruling that we take the Minister's word. Why Mr. Gurudas Das Gupta should speak after the ruling? You do not know the rules. ... (*Interruptions*) ...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: You did not control the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, again you are breaking the rules. When I said, I allowed you a point of order. ... (*Interruptions*)

I did allow you a point of order.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: You did not allow me.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. If I did not allow you, then you spoke without my permission. Do you want me to say that? Then, It is all right. Whatever you said before my ruling, it is recorded. But afterwards, What you said, is not coming. (*Interruptions*) ... Mr. Advani, do you want to say anything on Kashmir or not? ... (*Interruptions*) ... Please don't argue with the Chair.

SHRI LAL K. ADVANI: Madam Deputy Chairman, I am sure that the whole House, irrespective of party affiliations, is deeply distressed by the happenings in Kashmir during the past several months, particularly during the last two days. I recall that in the last Session of Parliament, there was a question by my senior colleague, Shri Atal Bihari Vajpayee, relating to Kashmir, in which he had also similarly expressed anxiety, concern and distress that the situation was going from bad to worse and yet nothing was being done about it. The reply given by the Minister seemed to suggest that his anxiety was misplaced, that his apprehensions were not correct. When a senior Member from the ruling party, who hails from that State itself, rose to contradict the Minister and to say that his apprehensions were perfectly justified, it was that member who was shouted down, it was he who was pulled up in a way and made to apologise for what he had said in the House. Now, this kind of attitude has been persisting for the last several months and we who have had either first-hand information from our friends there or from press reports, have been feeling that the situation is totally out of hand and yet the Government of India is trying to underplay the gravity of the whole situation. This has been my experience even in the Home Ministry's Consultative Committee where one day when I quoted from The Week a report of what had happened in Kashmir recently, the whole report was pooh-poohed as being alarmist. The official comment was "all these pressmen, I do not know, what they say and what they do". All of a sudden, immediately, after these incidents of 14th and 15th August, what do we see? The ruling party itself is expressing alarm.

I say, there has been massive infiltration from across the border. There is a sinister design to subvert the peace and tranquillity in the State. It is a sinister design to promote the seccessionist movement in Jammu and Kashmir, and about which for all these months, this House has not been informed, at least by the Government. The Government has been consistently trying to show that the situation is totally under control—" our Government there is doing quite well, that is the" refrain I had occasion to quote the Chief Minister of the State in the Home Ministry's Consultative Committee and to say that he himself has said, "I am facing a war-like situation". These are the words that Farooq Abdullah, used at one stage. Then it was told to me, "no, that was

said two months ago. Now, ris opinion has changed. Now, the whole situation is under control." This meeting was about a month and a half back. Now, Madam Deputy Chairman, what I want to emphasise is that in Punjab, it took five years to reach the present point. Punjab is burning still though five years ago, it was said that we will solve the problem in five months. In Kashmir, the same situation is on our hands within months and unless we take very strong, very considered steps and a coordinated policy, which has the support of the whole nation not ones man's fancy or one Party's opinion or one Chief Minister sitting in Jammu and Kashmir but which has the support of the national consensus of the whole country, unless we are able to deal with Jammu and Kashmir in that manner, I am afraid, we have serious trouble on our hands. Let not the Members on this side think that they can use even the Kashmir card for electoral purposes. Do not think in that way. (*Interruptions*) Madam Deputy Chairman, I would not have said this had this answer not been given to my colleague, Vajpayeeji, a couple of months back. After all, two months back or three months back is not a long time. And this situation... (*Interruptions*)... has not arisen just now, just on the 14th of August or the 15th of August. It has been developing over a period of time and I would say that the Government of Jammu and Kashmir, which is a coalition Government of the National Conference and the Congress has thoroughly failed. If it had been any other Government... (*Interruption*)... if it had been a Telugu Desam Government, if it had been a Marxist Government or if it had been any other Government, it would have been dismissed by now. (*Interruptions*) Madam Deputy Chairman, still, I am not calling for the dismissal of that Government. I am not because I think that the situation is far more grave, far more serious and the situation is not confined to the Srinagar Valley. The situation has spilt over not only to Jammu where always these repercussions have been there, but in even to an area like Ladakh where for four decades, till now, there was no trouble. Even Ladakh is in flames. It is a situation about which the minimum I would like the Government to do is to come forth with a full enunciation of facts, what its own appraisal is, what its own stand is, and then let this House discuss the issue. Thank you Madam.

श्री मीर्जा इर्शादबेग (गुजरात) : उपसभापति महोदया, यह एक अत्यंत गंभीर मसला है । जैसा कि मान्यवर धर्मपाल जी ने अभी बताया, मैं उनकी भावना के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं ।

भारत के किसी राज्य या सरहद की यदि रक्षा का कोई भी सवाल बनता है तो हमें चाहिए कि तमाम भारतवासी एक होकर इस मसले के सामने आकर के लडे । मान्यवर, यह भी दुखद बात है कि पर मसले पर विरोधी दल राजनीतिक आधार लेकर के बात करते हैं ।

मान्यवर, जहां तक ऐसी फोर्सिस से लडने का सवाल है, मेरी पार्टी के अध्यक्ष के घर में भी बम-विस्फोट किया गया है, उनकी कार पर हमला किया गया है, इतना ही नहीं मान्यवर, सरकार के मंत्रियों के घरों पर हमले किए गए हैं, वहां पर बम-विस्फोट किए गए हैं । मैं आशा करता हूं कि मान्यवर जो सरकार है, हम उस सरकार के साथ संबद्ध है और उसके साथ में हम बैठे हुए हैं । मैं बधाई देता हूं कि ऐसी ताकतों के साथ में सरकार ने और इसके साथ बठी हुई कांग्रेस पार्टी ने कन्धे से कन्धा मिलाकर, अपनी पूरी ताकत से ऐसी फोर्सिस से लडने का प्रयास किया है । मान्यवर, मुझे पूरी आशा है कि आने वाले दिनों में भी अगर हिन्दुस्तान की धरती पर अगर कोई ऐसा काम करता है कि जो देश की एकता को तोडने वाली बात हो या इसकी सरहद को तोडने वाली बात हो, इसकी भर्त्सना की जाएगी और मैं इसकी भर्त्सना करता हूं और मैं मांग करता हूं , यह बहुत गंभीर मसला

[श्री मीर्जा इर्शादबेग]

है, लेकिन गंभीर मसले पर जब चर्चा चल रही है तो मान्यवर, कुछ विरोधी दल के लोग इसको हंसी उड़ाते और इस मसले को कहीं और हटाने की बात करते थे । मान्यवर, मैं समझता हूं कि हम सबको मिलकर इसका मुकाबला करना है और जो सरकार आज वहां फोर्सिस के सामने जूझ रही है और जितना कहा जाता है उतनी सहज बात कश्मीर के बारे में नहीं है । वहां कुछ एलिमेंट्स अभी से हैं और कुछ बाहर से आए हैं । मैं उनसे अपने आपको संबद्ध करता हूं कि केन्द्र सरकार को चाहिए कि बार्डर को पूर्ण तरीके से सील कर दिया जाय, लेकिन इसके साथ-साथ जो चुनी हुई सरकार वहां बैठी है और कारगर ढंग से काम कर रही है, उसके होसलें भी बुलंद हों, इसलिए हमें चाहिए कि ऐसी सरकार जो काम कर रही है, फारुख अबदुल्ला उसके चीफ मिनिस्टर हैं और उसके साथ में बैठे हुए कांग्रेस के जो लोग हैं, उन लोगों ने अपनी जान की परवाह करने के बजाए हमेंशा इन ताकतों से लड़ने की कोशिश की है । मैं आशा करता हूं कि तमाम हाउस , यह सदन, पूरी क्लीम इस बात की सराहना करेगी कि ऐसी ताकतों की मजम्मत की जानी चाहिए और गृह मंत्री जी से मैं निवेदन करता हूं कि फोरी तौर पर सख्त से सख्त कदम लिए जाएं और जो अनासिर बार्डर से इन्फिलट्रेट होकर वहां आए हैं उनका रिकगनाइजेशन होना चाहिए और उनके सामने सख्त हाथों से काम लेने की मांग, मान्यवर, मैं आपके माध्यम से करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: There are two from this side, Mr. Sukomal Sen and Mr. Chaturanan Mishra. Now, Mr. Sukomal Sen....

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश) : मैंने शुरू में नाम दिया है अपना । ... (व्यवधान) . . .

उपसभापति : इस पर कोई बहस नहीं हो रही है, बैठ जाइए । ... (व्यवधान) ... I will not appreciate if Members just start speaking for others. I can see that Member myself. I have great respect for him. You need not plead for him....

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV (Maharashtra): I respect your knowledge. I was only saying..

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know more than you know. Please sit down.

श्री राम चन्द्र विकल : हमको बहुत मालूम है वहां के बारे में । हम वहां के हालात बहुत ज्यादा जानते हैं ।

उपसभापति महोदया, इतना गंभीर मसला है । सदन की भावनाओं को देखकर इसे पर बहस कराइए । हमको बहुत कुछ मालूमात हैं इसके बारे में । आप इस पर बहस कराने को तैयार हैं या नहीं ?

उपसभापति : मुझे नहीं मालूम है । सरकार कराएगी तो ... (व्यवधान) ...

श्री राम चन्द्र विकल : आप बहस कराने को तैयार नहीं हैं । चेयरमैन पर डालकर आप ... (व्यवधान) ...

उपसभापति : आप बैठ जाइए अपनी जगह पर । मैंने आपसे रिक्वैस्ट करी है कि आप अपनी जगह पर बैठ जाइए, मैंने दूसरे को बोल दिया है । आप बैठजाइए । ...(*Interruption*)...Now nothing of what he says will go on record.

I have called Mr. Sukomal Sen. Yes, Mr. Sukomal Sen.

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Madam, this is a very serious matter. The events in Kashmir in the last few months have been causing serious concern to all of us. This is not a new situation. For the last few months we have been witnessing this situation and we have been repeatedly urging the Government to tackle the situation so that the country's unity and integrity is saved. Last time also we drew the attention of the Government to this serious situation. But what we have found is that the Government is completely complacent. Therefore, we are not surprised that Pakistan is training some terrorists and sending them into our border in Kashmir Valley and they are creating trouble. But what is surprising is that our Government is completely complacent, it is sitting in an indifferent way, in a callous way, repeatedly assuring Parliament, repeatedly assuring the country, that the border has been completely sealed and that an action plan has been drawn after holding discussions with Kashmir Government so that these things do not recur in Kashmir. Despite these assurances Pakistan is continuing its hostile attitude and continuing its training activities and thus helping terrorist violence which is almost a daily occurrence now in Kashmir. Not only that. Because of what happened in Kashmir in the earlier periods, the situation in Kashmir has been thoroughly communalised. The minority communities are living in a state of fear that their houses might be attacked, their property might be attacked. In this way the situation has been completely communalised and the Government is sitting completely complacent. Because of Government's complacent attitude we have every right to conclude that this country's unity and integrity is not at all safe in the hands of this Government. The situation in Kashmir, the situation in Punjab, all these show and confirm that the unity and integrity of this country are not safe in the hands of this Government. The Ministers remain complacent and they remain indifferent and they remain callous to what is happening. So, I would request the Government to take steps immediately so that the Pakistani infiltrators do not enter the Kashmir Valley, so that the Kashmiri people cannot cross the border, go there, take training and come back and indulge in terrorist activities here. This should be stopped immediately. Otherwise, what will happen is, as is happening in Punjab, a similar situation will recur in the Kashmir Valley and will go out of control. Therefore, the Government should come out of its torpor, out of its indifferent attitude and take serious and severe steps to save the unity and integrity of this country. Thank you, Madam.

12.00 NOON

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Amla.

SHRI TIRATH RAM AMLA (Jammu and Kashmir): Madam Deputy Chairman, first of all, I must congratulate the Chief Minister who addressed a very big rally at the time of hoisting of the National Flag yesterday in the Bhakshi Stadium.

I also want to say one thing here. One of my senior colleagues said here that I said something during the last session and I was made to apologise for that. There is nothing like that. Of course, in my observations I had said that the extremists,, the *atankwadis* were holding the Valley to ransom and that their writ was running there and that their writ was being observed. I think, on this point, a member of the ruling party then in this House objected to it and said, "No. We are very much in control of it. What you say is exaggerated.". But subsequent events have proved that what I said on that day, to which my friends and my senior colleagues objected to was correct. Since then, all the calls for bandhs, all the commands of the extremists, are being observed very accurately, I would say, by most of the people in the Valley.

[Shri Tirath Ram Amla]

Coming to the happenings of the last two or three days, the extremists gave a call for a bandh on the 14th and that was observed very faithfully when the hoisting of the National Flag was done. Yesterday, they again gave a call for a complete bandh. No shop was open, and no transport was moving. Even the Government buses were off the roads except a few on the long routes. There was a demand from these people that the Kashmiris should observe a black day, a black night. Madam, I would like to say that in most of the places, say in ninety per cent of the places, the people observed these instructions. There was no light at all and there were no street lights even and the people who did switch on their lights, were attacked, their houses were stoned and they were very badly hooted and they were very badly insulted. So to say that what I said two months back was not correct, was subsequently proved to be correct.

Now, mention has been made about Leh. But before coming to Leh, I must say one thing more about Kashmir. The Kashmir agitation cannot be compared with the Punjab movement. In Punjab, Pakistan has been giving them arms and ammunition and has been training their youth in Pakistan. But in Kashmir the situation is different and is going to be very, very grave. Pakistan is not only training the Kashmiri youth but Pakistan is also supplying arms and ammunition. And very soon when this movement takes a little shape of mass movement the Pakistani soldiers, as in 1947, will jump into the arena and will create hell in Kashmir. This is the time when the Home Ministry must do something. Mere saying that things will take shape themselves will not help, wishful thinking will not help and closing eyes to events will not help; we must be realistic.

Mention was made about Leh. While Kashmir and Jammu are in turmoil, it is very unfortunate that some communal incidents took place in Leh, and those, I think, were in retaliation of some maltreatment which the Ladakhi Buddhists had in Srinagar. Of course, it is very unfortunate. Some events did take place in Leh. In the process, when one day when a Bandh call was given, a convoy of buses was moving down to Srinagar, some people pelted stones and broke their glasses. They were further broken when they crossed the Leh territory. Those buses were exhibited in streets, were shown on the TV, shown in newspapers and a wide publicity was given that the Kashmiris who took buses there were badly maltreated. This resulted in retaliation on Buddhists in Srinagar. This must be brought to the notice of the House. The result was that almost 90 per cent of the Buddhists ran away from Srinagar. Some who had money left by air for Leh. Some who could not afford went to Jammu by buses. All students, nurses, most of them—students, all of them (*Time bell rings*) ... went *via* Spiti Lahaul to Leh. This is a very very bad situation. On top of it the States Government has stopped all buses and trucks going to Leh. Till today this is the situation. This has resulted in stoppage of visitors going to Leh thus curtailing their business. This is not very serious. But stopping of trucks from going to Leh will mean that they will not get rations and supplies which they very much need. (*Time bell rings*).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please make yourself brief.

SHRI TIRATH RAM AMLA: I am finishing. So I would request the State Government that they should not take it so badly and they should allow the buses and trucks to go, otherwise, the people when pushed back to the wall, may take any un-

fortunate step. So this is not a correct thing. Buses and trucks must be allowed to go, take passengers; take rations and provisions, for which the Ladakhis are depending on Kashmir.

Thank you.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This matter is being discussed. Everybody from both sides, including the Chair, spoke. Now, if the House so wants I can sit the whole day and discuss Kashmir... (*Interruptions*)

SHRI CHATURANAN MISHRA (Bihar): Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have put your name. Please be brief.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Madam, I will be as brief as my friend who has just finished.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Madam, Tamil problem is being treated like this. This is such a big problem. There are 55 million people in Tamil Nadu who are concerned about what is happening in Sri Lanka and you are not giving me a chance to speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let us get over this Kashmir problem first.

श्री चतुरानन मिश्र : उपसभापति महोदया, अभी माननीय सदस्य धर्मपाल जी ने जो एक अत्यन महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया है उसके लिए मैं उनका बहुत ही शुक्रगुजार हूं। ... (**व्यवधान**)

महोदया, तो मैं कह रहा था कि हम उनके बहुत शुक्रगुजार हैं जो उन्होंने इस महत्वपूर्ण सवाल की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन उन्होंने इसका उल्लेख पहली बार नहीं किया है बल्कि कई बार किया है। मैं इसलिए खडा हुआ हूं कि उन्होंने पहले कई बार जो सदन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया उस पर कुछ नहीं हुआ। इसलिए इस बार भी ऐसा कुछ न हो, मैं बल देने के लिए खडा हुआ हूं क्योंकि सरकार हमारी बहुत ही सक्रिय है और कितने ही यहां पर स्पेशल मेंशन हों, कुम्भकर्ण की तरह उस पर कोई असर नहीं पडता। इसलिए मैं इसको आपके सामने रखना चाहता हूं।

महोदया, पहली बात तो यह है कि यह प्रश्न सिर्फ ला एंड आर्डर का नहीं है जिस रूप में हमारी सरकार इसको देख रही है या कुछ माननीय सदस्य रख रहे हैं। यह केवल ला एंड आर्डर की ही समस्या नहीं है इसमें दो तरह की बातें बहुत स्पष्ट हैं। पाकिस्तान से जो लोग ट्रेंड होकर आते हैं उनको रोकने में सरकार बार बार असफल होती रही है। जितनी बार सरकार कहती है कि हम सख्ती से कार्यवाही करेंगे उतनी ही बार हमारे कुछ नागरिक मारे जाते हैं। इसलिए अच्छा हो कि सरकार यह न कहे कि हम सख्ती से काम कर रहे हैं। क्योंकि सरकार अगर फिर ऐसा कहेगी तो फिर कुछ लोग मारे जायेंगे। तो सरकार फिर कहे कि हम सख्ती करेंगे यह ठीक नहीं। लेकिन इलक्शन का टाइम देखकर बार बार सख्ती की बात सरकार को नहीं करनी चाहिए।

दूसरी बात मैं यह जानना चाहूंगा कि सचमुच में आप बार्डर सील करने की पोजिशन में हैं या नहीं। इस संबंध में विरोधी पक्ष को भी कांफिडेंस में लेकर बात होनी चाहिए। इसलिए मैं यह सुझाव दूंगा कि प्रधान मंत्री को अविलम्ब विरोधी पक्ष के साथ बैठना चाहिए, कश्मीर के मुख्य मंत्री भी बैठें और सभी बातों से हम लोगों को अवगत कराएं... (**व्यवधान**)... मुझे प्रधान मंत्री से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है वह खुद स्वतंत्रता सैनानी नहीं हैं उनके मां और नाना के वक्त में ही हमको पोलेटिकल फ्रीडम फाइटर का सर्टिफिकेट मिल चुका होता और आज हमें नया सर्टिफिकेट इनसे लेने की जरूरत नहीं। हम तो फ्रीडम फाइटर हैं... (**व्यवधान**)... इसीलिए इसकी चिंता नहीं है। मैं चाहता हूं कि कश्मीर की समस्या पर प्रधान मंत्री अविलम्ब एक ऐसी बैठक बुलायें।

[श्री चतुरानन मिश्र]

मैं दूसरी बात यह चाहता हूं कि सभी पोलिटिकल पार्टियों के लोग इस पर विचार करें कि कश्मीर एक ऐसा राज्य रहा है, वहां की जनता ऐसी रही है जिसका कि सेकुलर पृष्ठभूमि रहा है। वहां पर कम्युनल जैसे चीजें कभी इस तरह की नहीं रहीं तो आज क्यों साम्प्रदायिकता बढ़ रही है ? सभी पार्टियां के लोग वहां ऐसी आन्दोलन संगठित करें जिससे हम उनकी भावनाओं को जान सकें कि क्या बात हो रही है वहां की जनता जो बहुत ही सेकुलर है, वह क्यों कम्युनल होती जा रही है। राज चलाने में गलती हो रही है या क्या है। इसलिए मैं चाहूंगा कि वहां पर इस तरह का पोलिटिकल कम्पेन चले जो राष्ट्रीय एकता को मजबूत करे।

अंत में मैं यह कहना चाहूंगा कि भारत में जो दंगा होता है, हिन्दू-मुस्लिम दंगे से मेरा मतलब है, उसका काश्मीर में बहुत ही कुप्रभाव पडता है। इसलिए जो लोग कश्मीर समस्या का निदान चाहते हैं उनको कोशिश करनी चाहिए कि भारत में दंगे न हों। भारत में जब हिंदू-मुस्लिम दंगे होते हैं, बनारस में हो या अन्य जगहों पर हो, बार-बार करफ्यू लगा रहता है। अगर हम भीतर करफ्यू लगायेंगे तो बार्डर में क्या रहेगा ? हम बार्डर और भीतर दोनों जगह कहां जा रहे हैं ? इसलिए हमको चिंता है। इसलिए मैं चाहूंगा कि देशके अंदर में जो ये कम्युनल राइटस होते हैं उसको रोकने के लिए बहुत ही गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए ताकि इस तरह की घटनायें न हों। मेरा यह भी ख्याल है कि यहां बाबरी मस्जिद को तोडने का जो सवाल उठाया जाता है। वह भी हमारे कश्मीर क्षेत्रों के लोगों को कुप्रभावित करता है। मेरा यह भी ख्याल है कि संविधान के अनुच्छेद 370 के खिलाफ जो लोग बोलते हैं यह भी असर डालता है। इसलिए इस पर भी हम लोग सभी मिल कर विचार करें कि कैसे इस समस्या का निदान निकालें। यही मुझे आपसे कहना था, लेकिन सरकार सुनेगी इस पर मेरा भी विश्वास खत्म होता जा रहा है।

DR. NAGEN SAIKIA (Assam): Madam Deputy Chairman, I want to associate with the feelings and sentiments expressed by the Members in this matter because it is a very serious matter and it is concerned with the integrity of our country and the solidarity of our country. Therefore, Madam, in this case, due to the weakness of our Government also, I apprehended such happenings taking place, and would take place. Madam, the manner in which the Prime Minister Mr. Rajiv Gandhi has compromised Indian defence preparedness by agreeing with the Pakistani Prime Minister, Mrs. Benazir Bhutto that the Indian Army should withdraw to the pre-1972 line of actual control from the Siachen glacier itself may be an inspiring event for the secessionist forces. And, therefore, I think, the Government should not compromise with these things and moreover we should be very much careful in handling all these things and we should take a united stand to combat with these secessionist forces in the country.

SHRI SANTOSH MOHAN DEV: Madam this a wrong statement. The Government of India have never agreed... (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: We also do not believe that the statement to be true... (*Interruptions*)

SHRI SANTOSH MOHAN DEV: This is a wrong statement. No such decision has been taken.

(*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is now closed.

DR. NAGEN SAIKIA: If there is anything to contradict, the Government should contradict it.

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार): मैडम, उपसभापति : पूरे हाउस ने एक्सीसियेट किया है। अब टाइम नहीं है। (व्यवधान)

Mr. Subramanian Swamy.